अध्यात्मिकता अपनाने से आपसी संबंध व कार्य क्षमता हो सकती है बेहतरीन : मैनेजमेंट कंसलटेंट मार्क फोर्केड

ग्रीड बेसड नीति छोडकर नीड बेसड नीति अपनानी होगी : चीफ सेक्रेटरी राकेश मेहता

नई दिल्ली, 4 अज़्टूबर : फ्रांस से विशेष तौर पर भारत आए मैनेजमेंट कंस्लटेंट मार्क फोर्केड ने बताया कि वैज्ञानिकों के साथ किए एक शोध में निकले निष्कर्ष के अनुसार अध्यात्मिका को अपनाने से व्यक्ति की इमोशनल इंटेलिजेंस में वृद्धि होती है। इस वृद्धि से व्यक्ति के आपसी संबंध और कार्य क्षमता बेहतरीन हो सकती है। ब्रह्माकुमारीज संस्था से पिछले दो दशकों से जुडे मार्क ने भारत को मातृभूमि बताते हुए उनके जीवन में घटित योगशक्ति व परमात्म शक्ति बारे विस्तार से बताकर सभी दर्शकों को हतप्रभ कर दिया। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा सिरि फोर्ट ऑडिटोरियम में रविवार दोपहर संपन्न हुए ग्लोबल फेस्टिवल में बतौर विशिष्ट अतिथि बोल रहे थे। ऑडिटोरियम विश्व व देशभर से आए हजारों की संज़्या में लोगों से खचाखच भरा था।

लालच नीति को छोडकर जरूरत पर आधारित नीति को अपनाना होगा : **दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी राकेश मेहता** ने कहा कि आध्यत्मिकता के माध्यम से जरूरत पर आधारित लाईफ स्टाईल अपनाकर हम ज़्लाईमेट चेंज व ग्रीन हाऊस इफेज़्ट जैसी वैश्विक समस्या पर काबू पा सकते हैं। समाज में व्याप्त लालच पर आधारित नीति को त्याग कर हमें जरूरत पर आधारित नीति को अपनाना होगा। पिछले कई दशकों से ब्रह्माकुमारीज संस्था विश्व में जरूरत पर आधारित नीति की स्थापना करके शांति की स्थापना करने के निस्वार्थ कार्य में जुटी हुई है। ग्लोबल फेस्टिवल का उददेश्य तभी सार्थक होगा जब हम राजयोग, ध्यान आदि विधि को अपने जीवन में अपनाकर सच्चा प्रेम, शांतिपूर्ण व सुखमय जीवन जीएं।

मेडिटेशन करके डिस्चार्ज बैटरी को चार्ज करें : **यूएन में ब्रह्माकुमारीज की प्रतिनिधि एवं विदेश स्थित बीके सेंटर की प्रभारी मोहिनी दीदी** ने बताया कि नकरात्मक जीवन शैली के कारण हमारी बैटरी डिस्चार्ज हो गई है। इसी कारण सभी सुख सुविधाएं होने के बावजूद लोग डिप्रेशन, तनाव, चिंता, भय आदि समस्याओं से ग्रस्त हैं। ज्ञान शक्ति, योगबल व आत्मिक शक्ति के साथ-साथ परमपिता परमात्मा शिव से वरदान लेकर ही हम इन समस्याओं पर काबू पा सकते हैं। उन्होंने सफल जीवन जीने की इस विधि को अपने जीवन में अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इस विधि के बिना सिद्धि प्राप्त करने का कोई महत्व नहीं है। मोहिनी दीदी व ओआरसी गुडगांव की डायरेज़्टर आशा दीदी ने सभी उपस्थित दर्शकों को मेडिटेशन करवाया और इसकी विधि बताई। इस अवसर पर अतिथिगण ने आत्मा व परमात्मा के बीच संबंध को दर्शाती इलेज़्ट्रोनिक मशीन का शुभारंज़ किया।

मॉरिशियस में लागू की वैल्यू बेसड शिक्षा : **युनेस्को के डायरेज़्टर व मॉरिशियस के पूर्व शिक्षा मंत्री परशुरमन** ने बताया कि1986 से ही मॉरिशियस में ब्रह्माकुमारीज संस्था के सहयोग से स्कूलों में शांति, मानवता, सेवा पर आधारित वैल्यू बेसड शिक्षा दी जा रही है। ब्रह्माकुमारीज संस्था ने इन सिद्धांतो को अपने जीवन में उतारकर इनकी सार्थकता सिद्ध की है। मुंजाल शोवा लिमिटेड के चेयरमैन व एमडी योगेश मुंजाल व बजाज मोटरज लिमिटेड के चेयरमैन व एमडी बीपी बजाज ने ब्रह्माकुमारीज संस्था के तत्वाधान में इस

कार्यक्रम के निर्विघ्न व सफल संचालन की तारीफ करते हुए कहा कि संस्था किसी अन्य संस्था की आलोचना करने के स्थान पर स्वः उन्नति व स्वः परिवर्तन की बात करती है जो सराहनीय है। उन्होंने लोगों से इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में बताई गई बातों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। सकरात्मक सोच से व्यक्तित्व निखर जाता है यह बात संस्था ने साबित करके दिखाया है।

नृत्य में भी जरूरत है मेडिटेशन की : **मशहूर पंडित बीरजु महाराज के शिष्य एवं भारत गौरव पुरस्कार प्राप्त पंडित पुलकित मिश्रा** ने भजनों की थाप पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गदर व देवदास फिल्मों में कोरियोग्राफी करने वाले पं. मिश्रा ने बताया कि कत्थक नृत्य अध्यात्म से जुडा हुआ है। मेडिटेशन करने से काफी आसानी से भावपूर्ण व विभिन्न मुद्राओं से सुसज्जित नृत्य किया जा सकता है। माऊंटआबू से आए भ्राता नितिन ने पुरूष व स्त्री की आवाज में भजन गाकर सभी दर्शकों को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया।

सज़्मानित किया : कार्यक्रम में प्योरटी मैग्जिन के चीफ एडीटर बृजमोहन भ्राता, ओआरसी डायरेज़्टर आशा दीदी व शुज़्ला दीदी ने भी संबोधित किया। मंच संचालन शांति बहन ने किया। इस अवसर पर कमलमनी दादी व रूकमणी दादी ने अतिथिगण को स्मृतिचिन्ह देकर सज़्मानित किया।

शनिवार को हुआ शुभारंभ : शनिवार को दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में इस वैश्विक अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि लालकृष्ण आडवाणी, स्वामी अग्निवेश, विश्व आर्य समाज नेता स्वामी अग्निवेश, जमात-ए-इस्लामी-हिंद के असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल मुहज़्मद इकबाल मुल्ला आदि ने आध्यात्मिकता, सरल जीवन प्रणाली को अपनाकर समाज में व्याप्त बुराईयों को दूर करने पर जोर दिया।

बीके सुशांत, मीडिया कॉर्डिनेटर, ब्रह्माकुमारीज, नई दिल्ली, मो. 9350922333